वायनाड वन्यजीव अभयारण्य

ग्रीष्म ऋतु की शुरुआत के साथ ही कर्नाटक और तमलिनाडु के नकिटवर्ती वन्यजीव अभयारण्यों से केरल के **वायनाड वन्यजीव अभयारण्य (WWS)** की ओर वन्यजीवों का मौसमी प्रवास शुरू हो गया है।

- **वर्ष भर चारे और पानी की आसान उपलब्धता के कारण** गर्मियों के दौरान यह अभयारण्य वन्यजीवों का एक पसंदीदा आश्रय स्थल है।

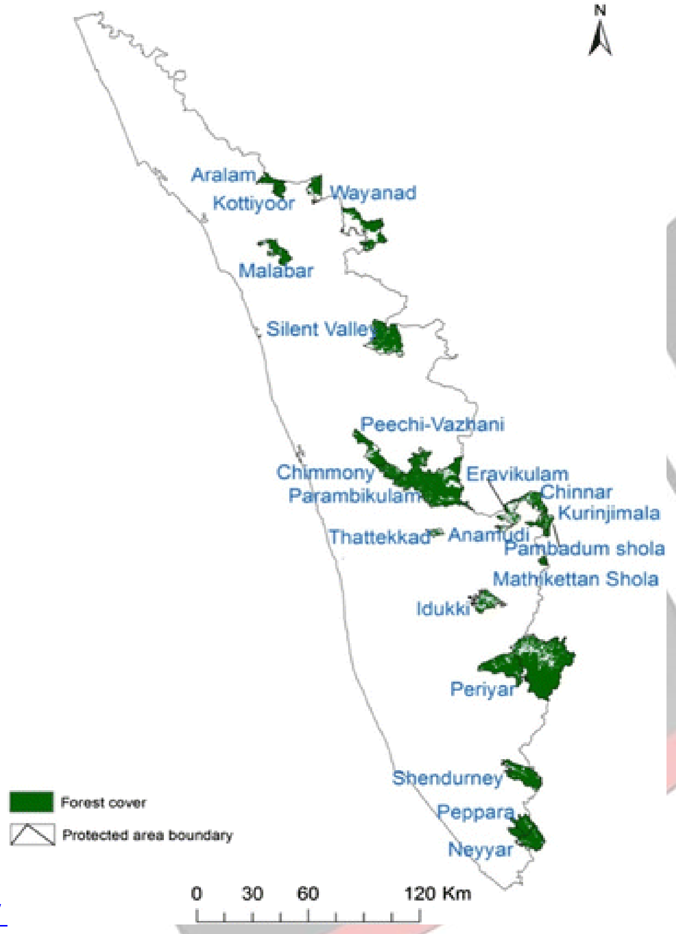

//

कहाँ अवस्थति है वायनाड वन्यजीव अभयारण्य?

- केरल में स्थति वायनाड वन्यजीव अभयारण्य (WWS) नीलगरि बायोस्फीयर रज़िर्व का एक अभन्नि अंग है। इसकी स्थापना वर्ष 1973 में हुई थी।
    - नीलगरि बायोस्फीयर रज़िर्व यूनेस्को द्वारा नामति **वर्ल्ड नेटवर्क ऑफ बायोस्फीयर रज़िर्व** में शामलि होने वाला भारत का पहला बायोस्फीयर रज़िर्व था (2012 में नामति)।
    - इस रज़िर्व के अंतरगत आने वाले अन्य वन्यजीव उद्यानों में **मुदुमलाई वन्यजीव अभयारण्य, बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान, नागरहोल राष्ट्रीय उद्यान, मुकुर्थी राष्ट्रीय उद्यान और साइलेंट वैली** शामलि हैं।
- 344.44 वर्ग कमी. के क्षेत्रफल में फैला हुआ वायनाड वन्यजीव अभयारण्य कर्नाटक के नागरहोल और बांदीपुर तथा तमलिनाडु के मुदुमलाई के बाघ अभयारण्यों से सटा हुआ है।
- **काबनिी नदी** (कावेरी नदी की एक सहायक नदी) इस अभयारण्य से होकर बहती है।

- यहाँ पाए जाने वाले वन प्रकारों में दक्षिण भारतीय नम पर्णपाती वन, पश्चिमी तटीय अर्द्ध-सदाबहार वन और सागौन, नीलगिरी/यूकेलिप्टस तथा ग्रेवेलिया के जंगल शामिल हैं।
- यहाँ **हाथी**, गौर, **बाघ**, चीता, सांभर, चित्तीदार हिरण, जंगली सूअर, स्लॉथ बियर, नीलगिरि लंगूर, बोनट मकाक, सामान्य लंगूर,**मालाबार विशाल गिलहरी** आदि **प्रमुख स्तनधारी** पाए जाते हैं।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/wayanad-wildlife-sanctuary-1